

भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक शीर्ष वैश्विक विमानन बाज़ार बनना

प्रलिस के लिये:

CAPA इंडिया एवैशन समटि, राषट्रीय नागर विमानन नीति (NCAP) 2016, उडान योजना ।

मेन्स के लिये:

भारत के विमानन क्षेत्तर की स्थिति, विमानन क्षेत्तर से संबधति हालिया सरकारी पहल ।

चर्चा में क्यों?

दशक के अंत तक भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का अग्रणी **विमानन बाज़ार** बनने की ओर अग्रसर है ।

- भारत में नागरिक उड्डयन सचवि ने **CAPA इंडिया एवैशन समटि** के दौरान आबादी के लिये हवाई संपर्क के वसितार संबंधी देश की योजनाओं की घोषणा की ।

भारत के विमानन क्षेत्तर की स्थिति:

- परचिय:**
 - भारत का नागरिक विमानन क्षेत्तर विश्व स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाज़ारों में से एक है और 2024 तक भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिये एक प्रमुख विकास इंजन साबति होगा ।
 - भारत वर्तमान में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन बाज़ार है ।
 - वगित 6 वर्षों में भारत का घरेलू यात्री यातायात लगभग 14.5% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से एवं लगभग 6.5% अंतरराष्ट्रीय यात्री वृद्धि की दर से बढ़ा है ।
 - भारत का घरेलू यात्री यातायात वतित वर्ष 2023-24 में 16 करोड़ और 2029-30 तक 35 करोड़ तक बढ़ने का अनुमान है ।
- विमानन क्षेत्तर से संबधति सरकार की पहल:**
 - भारत सरकार का लक्ष्य हवाई यात्रा के लिये अंतरराष्ट्रीय केंद्रों के रूप में 6 प्रमुख महानगरीय शहरों को स्थापति करना है ।
 - राषट्रीय नागर विमानन नीति (NCAP) 2016
 - UDAN योजना
- चुनौतियाँ:**
 - उच्च परचालन लागत: भारतीय विमानन क्षेत्तर के लिये प्रमुख चुनौतियों में से एक उच्च परचालन लागत है । यह कई कारकों के कारण है जैसे कि ईंधन की उच्च कीमतें, हवाई अड्डे के शुल्क एवं कर ।
 - जेट ईंधन की कीमतों में वृद्धि एयरलाइनों के लिये एक बड़ी चुनौती है क्योंकि यह लागत आमतौर पर कुल परचालन लागत का 20% से 25% तक होती है ।
 - बुनियादी ढाँचे की कमी: हवाई अड्डे की सीमति क्षमता, आधुनिक हवाई यातायात नयित्रण प्रणाली की कमी और अपर्याप्त ग्राउंड हैंडलिंग सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण भारतीय विमानन क्षेत्तर को कई कठनाइयों का सामना करना पड़ता है ।
 - नयिामक ढाँचा: यह भारतीय विमानन क्षेत्तर के लिये एक अन्य चुनौती है ।
 - यह काफी वनियमिति क्षेत्तर है और एयरलाइनों को वभिन्न प्रकार के नयिमों तथा वनियमों का पालन करना पड़ता है, जो जटिल एवं अधिक समय की खपत वाले हो सकते हैं

नषिकर्ष:

विमानन क्षेत्तर में विकास के लिये भारत की महत्वाकांक्षी योजनाएँ देश की अर्थव्यवस्था और लोगों के लिये महत्त्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करती हैं । हालाँकि कई चुनौतियाँ भी हैं, फरि भी अपने विमानन बुनियादी ढाँचे का वसितार करने तथा अपनी वनिरिमाण क्षमताओं को वकिसति करने की भारत की

प्रतबिद्धता इस दशक के अंत तक वैश्विक विमानन बाज़ार में एक प्रमुख अभिकर्ता बनने के संदर्भ में अच्छी स्थिति में है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. सार्वजनिक-नजि भागीदारी मॉडल के अधीन संयुक्त उपकरणों के माध्यम से भारत में विमानपत्तनों के विकास का परीक्षण कीजिये। इस संबंध में प्राधिकरणों के समक्ष कौन-सी चुनौतियाँ हैं? (मुख्य परीक्षा, 2017)

प्रश्न. अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन नियम सभी देशों को अपने भूभाग के ऊपर के आकाशी क्षेत्र (एयरस्पेस) पर पूर्ण और अनन्य प्रभुता प्रदान करते हैं। आप 'आकाशी क्षेत्र' से क्या समझते हैं? इस आकाशी क्षेत्र के ऊपर के आकाश के लिये इन नियमों के क्या नहितार्थ हैं? इससे प्रसूत चुनौतियों पर चर्चा कीजिये और खतरे को नियंत्रित करने के तरीके सुझाइये। (मुख्य परीक्षा, 2014)

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-aims-to-become-top-global-aviation-market-by-2030>

